



Tipak

Jagriti

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120830301

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
07/02/1996 :	जन्म तिथि	: 26-27/11/2003
बुधवार :	दिन	: बुध-गुरुवार
घंटे 16:30:00 :	जन्म समय	: 02:15:00 घंटे
घटी 24:34:53 :	जन्म समय(घटी)	: 49:42:11 घटी
India :	देश	: India
Durg :	स्थान	: Kaimganj
21:12:00 उत्तर :	अक्षांश	: 27:34:00 उत्तर
81:20:00 पूर्व :	रेखांश	: 79:21:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:04:40 :	स्थानिक संस्कार	: -00:12:36 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:40:02 :	सूर्योदय	: 06:41:41
17:57:08 :	सूर्यास्त	: 17:17:49
23:48:17 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:54:28
कर्क :	लग्न	: कन्या
चन्द्र :	लग्न लग्नाधिपति	: बुध
सिंह :	राशि	: धनु
सूर्य :	राशि-स्वामी	: गुरु
पू०फाल्गुनी :	नक्षत्र	: पूर्वाषाढा
शुक्र :	नक्षत्र स्वामी	: शुक्र
4 :	चरण	: 3
अतिगण्ड :	योग	: गण्ड
विष्टि :	करण	: वणिज
दू-दूंगर :	जन्म नामाक्षर	: फा-फाल्गुनी
कुम्भ :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: धनु
क्षत्रिय :	वर्ण	: क्षत्रिय
वनचर :	वश्य	: मानव
मूषक :	योनि	: वानर
मनुष्य :	गण	: मनुष्य
मध्य :	नाड़ी	: मध्य
श्वान :	वर्ग	: मूषक



ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
शुक्र 1वर्ष 8मा 22दि
राहु

30/10/2020

31/10/2038

राहु	13/07/2023
गुरु	06/12/2025
शनि	12/10/2028
बुध	01/05/2031
केतु	19/05/2032
शुक्र	19/05/2035
सूर्य	12/04/2036
चन्द्र	12/10/2037
मंगल	31/10/2038

अंश

05:29:07
24:08:44
25:30:53
29:50:25
28:44:47
13:46:16
04:14:34
28:58:48
24:59:45
24:59:45
07:43:27
02:16:30
09:05:27

राशि

कर्क
मक
सिंह
मक
धनु
धनु
मीन
कुंभ
कन्या व
मीन व
मक
मक
वृश्चि

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु
शुक्र
शनि व
राहु व
केतु व
हर्ष
नेप
प्लूटो

राशि

कन्या
वृश्चि
धनु
कुंभ
वृश्चि
सिंह
धनु
मिथु
मेष
तुला
कुंभ
मक
वृश्चि

अंश

11:23:30
10:15:58
21:02:49
25:13:00
27:45:27
22:46:31
05:51:58
18:24:59
26:31:06
26:31:06
05:07:51
16:49:56
25:16:12

विंशोत्तरी
शुक्र 8वर्ष 5मा 4दि
चन्द्र

02/05/2018

01/05/2028

चन्द्र	02/03/2019
मंगल	01/10/2019
राहु	01/04/2021
गुरु	01/08/2022
शनि	02/03/2024
बुध	01/08/2025
केतु	02/03/2026
शुक्र	01/11/2027
सूर्य	01/05/2028

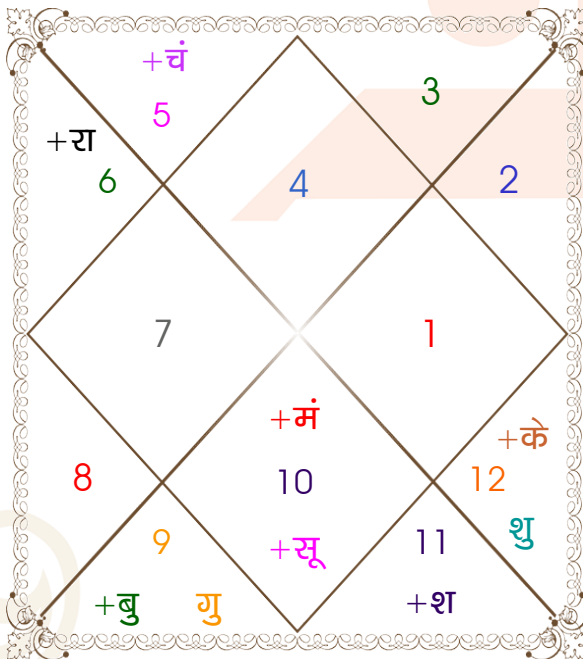
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

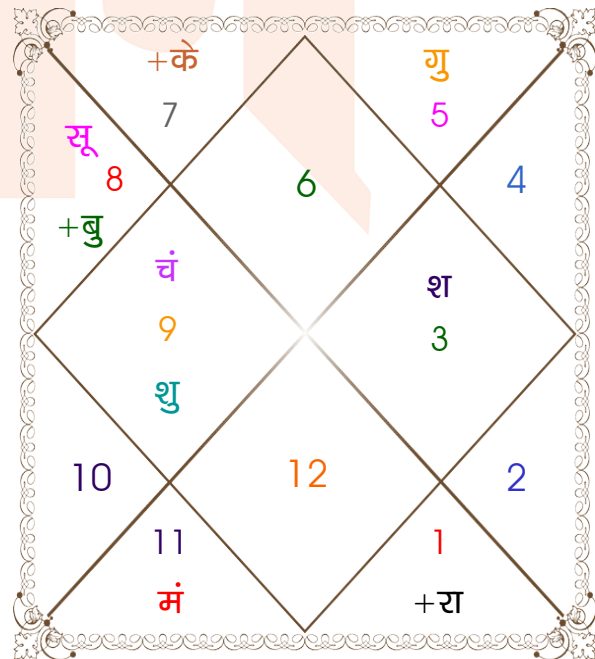
राहु : स्पष्ट

23:48:17 चित्रपक्षीय अयनांश 23:54:28

लग्न-चलित



लग्न-चलित



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अष्टकूट गुण सारिणी

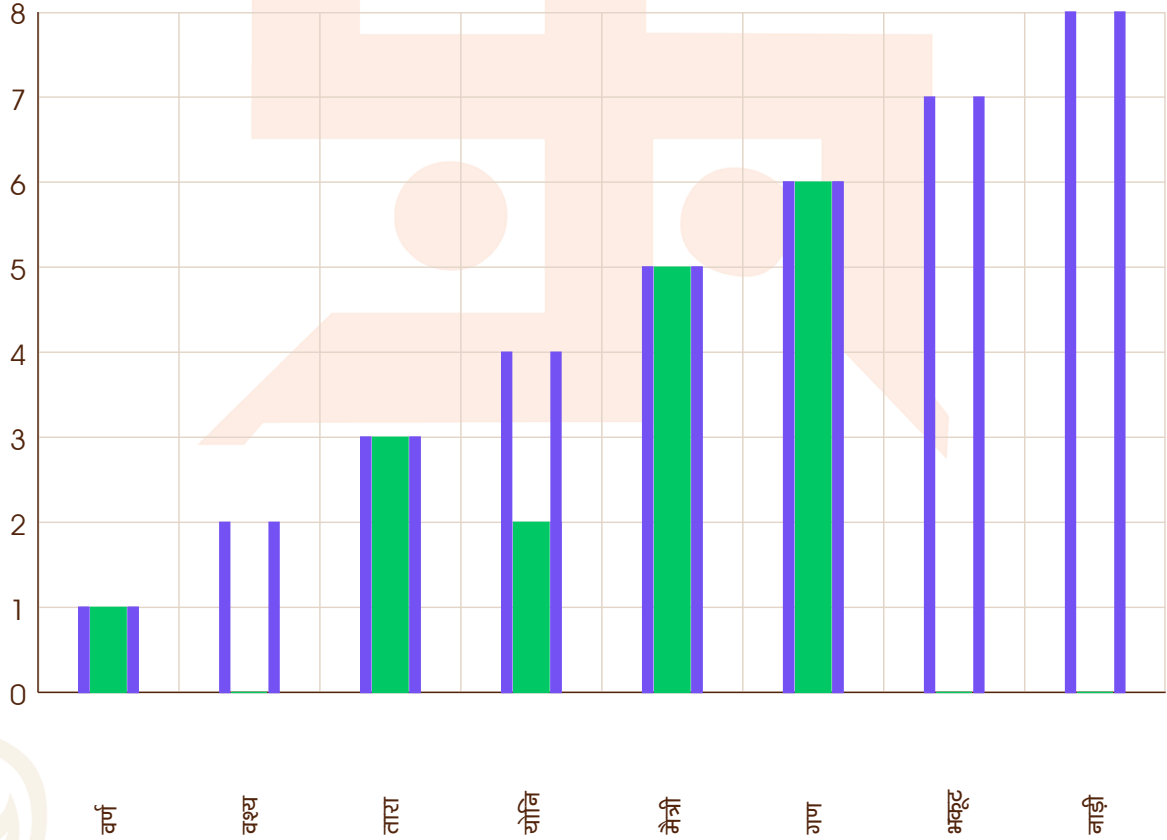
कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाडी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान

कुल :

36

17.00

कुल : 17 / 36



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।
नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।
Tipak का वर्ग श्वान है तथा Jagriti का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार Tipak और Jagriti का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Tipak मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Tipak कि कुण्डली में सप्तम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Tipak कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Jagriti मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Jagriti कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Tipak तथा Jagriti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Tipak का वर्ण क्षत्रिय तथा Jagriti का वर्ण भी क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों ही दम्पति अति ऊर्जावान, साहसी, उद्यमी होंगे साथ ही दोनों एक-दूसरे के साथ सद्भाव एवं प्रेम से जीवन बितायेंगे। इसके अतिरिक्त समय-समय पर एक-दूसरे की सहायता से सुखी एवं समृद्ध परिवार का निर्माण करने में योगदान देते रहेंगे।

वश्य

Tipak का वश्य वनचर है एवं Jagriti का वश्य चतुष्पद है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। वनचर हमेशा चतुष्पद के लिए खतरा होता है। जब भी वनचर को मौका मिलता है वह चतुष्पद को अपना शिकार बना लेता है। वनचर Tipak एवं चतुष्पद Jagriti का विवाह अच्छा साबित होने में संदेह है। Tipak निर्दयी, क्रूर, वर्चस्वशाली एवं चतुर होगा तथा अपनी पत्नी को नौकरानी की भांति समझेगा। वह Jagriti को नीचा दिखाने का कोई अवसर नहीं चूकेगा। अक्सर वह अपनी पत्नी के साथ क्रूर व्यवहार कर सकता है तथा संभव है Jagriti को अक्सर उसका दुर्व्यवहार सहना पड़े।

तारा

Tipak की तारा जन्म तथा Jagriti की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

Tipak की योनि मूषक है तथा Jagriti की योनि वानर है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन



FUTUREPOINT
Astro Solutions



परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Tipak एवं Jagriti दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Tipak एवं Jagriti के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Tipak एवं Jagriti जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Tipak का गण मनुष्य तथा Jagriti का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात् दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

Tipak से Jagriti की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा Jagriti से Tipak की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण Jagriti को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

Tipak की नाड़ी मध्य है तथा Jagriti की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात् यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से

किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में Tipak एवं Jagriti का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



मेलापक फलित

स्वभाव

Tipak की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त सिंह तथा Jagriti की राशि भी अग्नि तत्व युक्त धनु है। नैसर्गिक रूप से दोनों के तत्वों में समानता के कारण Tipak और Jagriti के मध्य स्वाभाविक समानता रहेगी जिससे उनका वैवाहिक जीवन उत्तम रहेगा। अतः यह मिलान अच्छा रहेगा।

Tipak की राशि का स्वामी सूर्य तथा Jagriti की राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर मित्र हैं। इसके प्रभाव से Tipak और Jagriti के मध्य परस्पर संबंधों में मधुरता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति त्याग समर्पण एवं सहयोग का भाव विद्यमान रहेगा। साथ ही Tipak और Jagriti एक दूसरे के गुणों की मुक्त कंठ से प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे इनका वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा।

Tipak और Jagriti की राशियां परस्पर पंचम एवं नवम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इस दोष के प्रभाव से यदा कदा Tipak और Jagriti के मध्य अनावश्यक मतभेद एवं विरोध का भाव उत्पन्न होगा। साथ ही अहंकार के भाव की भी प्रधानता रहेगी जिससे आपसी संबंधों की में मधुरता में न्यूनता आएगी अतः यदि Tipak और Jagriti अहंकार की भावना का त्याग करें तथा सामंजस्य पूर्ण स्थिति बनाएं तो इनका वैवाहिक जीवन सुखमय हो सकता है।

Tipak का वश्य वनचर तथा Jagriti का वश्य चतुष्पद है नैसर्गिक रूप से वनचर एवं चतुष्पद में असमानता का भाव होता है अतः Tipak और Jagriti की अभिरुचियां अलग अलग होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे को काम चेष्टाओं में भी प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Tipak एवं Jagriti दोनों का वर्ण क्षत्रिय है। अतः दोनों पराकमी एवं साहसी कार्यों को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे तथा कार्य क्षमता भी बराबर होगी।

धन

Tipak और Jagriti का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रशस्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से Tipak और Jagriti सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

Tipak को पैतृक सम्पत्ति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में

समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे ।

स्वास्थ्य

Tipak और Jagriti दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इसके प्रभाव से इनको समय समय पर स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इससे Tipak और Jagriti दोनों को उदर संबंधी कष्ट होगा तथा लीवर से संबंधित परेशानियां भी समय समय पर होती रहेंगी। वे अपच आदि से भी असुविधा की अनुभूति करेंगे। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव Jagriti के स्वास्थ्य पर रहेगा इसके प्रभाव से इनको धातु या गुप्त रोग अथवा मासिक धर्म संबंधी परेशानियां रहेंगी। अतः नाड़ी दोष एवं मंगल के अशुभ प्रभाव के कारण ऐसे मिलान की उपेक्षा करनी चाहिए। तथापि उपरोक्त दुष्प्रभाव को कम करने के लिए हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करना शुभ रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Tipak और Jagriti का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Tipak और Jagriti के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Jagriti के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Jagriti को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Jagriti को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Tipak और Jagriti सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमत्ता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Tipak और Jagriti का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Jagriti के अपनी सास से संबंधों में अनुकूलता तथा मधुरता रहेगी तथा उनकी तरफ से Jagriti किसी भी अनावश्यक समस्या या असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। Jagriti के हृदय में उनके प्रति सेवा भाव रहेगा तथा अपनी सेवा के द्वारा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी। यद्यपि यदा कदा इनके मध्य मतभेद या विवाद भी होंगे

लेकिन यह अल्प समय के लिए होगा तथा सामान्यतया संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।

उनके ससुर से Jagriti को विशेष स्नेह सम्मान तथा अनुकूलता प्राप्त नहीं होगी तथा के द्वारा Jagriti को समय समय पर समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा लेकिन देवर एवं ननदों से Jagriti के अत्यंत ही स्नेह एवं सौहार्द पूर्ण संबंध रहेंगे तथा उनसे इन्हें पूर्ण सम्मान तथा सहयोग मिलेगा। साथ ही परस्पर संबंधों में मित्रता का भाव रहेगा तथा आपसी समस्याओं तथा सुख दुख में एक दूसरे को अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इस प्रकार Jagriti के सास ससुर का दृष्टिकोण सामान्यतया अनुकूल नहीं रहेगा।

ससुराल-श्री

Tipak के अपने सास ससुर से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद बने रहेंगे जिसका मुख्य कारण इन के मध्य आयु का अधिक अंतर रहेगा। इससे इनके मध्य सैद्धांतिक तथा वैचारिक मतभेद सामान्य रूप से विद्यमान रहेंगे। लेकिन यदि Tipak तथा उनके सास ससुर परस्पर सामंजस्य को स्थापित करके व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों तथा समस्याओं में काफी न्यूनता हो सकती है।

साथ ही साले एवं सालियों से भी कई क्षेत्रों में असहमति रहेगी तथा संबंध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपस में स्नेह सहयोग एवं सहानुभूति के भाव की न्यूनता रहेगी। अतः इन्हें चाहिए कि बुद्धिमता एवं सामंजस्य युक्त प्रवृत्ति से मतभेदों तथा समस्याओं का समाधान करें तथा मित्रता का भाव भी रखें। इससे उपरोक्त मतभेदों में अल्पता आएगी तथा मधुर संबंधों में वृद्धि भी होगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से Tipak के ससुराल वालों का दृष्टिकोण उनके प्रति अपेक्षित नहीं रहेगा। अतः उन्हें चाहिए कि दामाद के प्रति अपने दृष्टिकोण को विनम्र तथा सहयोग के भाव से युक्त बनाएं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

